ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए और विद्यालय स्तर के छात्रों के बीच विज्ञान के प्रति जागरुकता उत्पन्न करने के लिए 19 सितम्बर, 2015 को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ के सभागार में भारतीय विज्ञान कांग्रेस समिति (कुरुक्षेत्र चैप्टर) के सहयोग से एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के संयोजक प्रो० डॉ० दिनेश कुमार ने कार्यक्रम का परिचय देते हुए बताया कि विद्यालय स्तर के छात्रों में विज्ञान को बढावा देने के लिए यह संस्था (भारतीय विज्ञान कांग्रेस समिति, कुरुक्षेत्र चैप्टर) एक पहल कर शिक्षा के क्षेत्र में अपना अभूतपूर्व योगदान दे रही है. यह कार्यक्रम अग्रवाल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० कृष्णकान्त गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया. वे स्वयं भौतिक विज्ञान के विशेषज्ञ हैं और अनेक वैज्ञानिक संस्थाओं से जुड़े हैं. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मानव रचना अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, फरीदाबाद से संबद्ध प्रो० एस.के. चक्रवर्ती ने विज्ञान का संबंध जिज्ञासा से जोडते हुए विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने अत्यन्त रोचक शैली में नैनो टैक्नोलॉजी को " अत्यन्त लघु वस्तुओं का चमत्कार और तकनीक" विषय के माध्यम से गुलिवर की यात्राओं के बौने पात्रों और वामन अवतार के उदाहरण देकर स्पष्ट किया. उन्होंने कहा कि आने वाला समय इसी तकनीक का है. दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय के प्रो० और डीन डॉ० एच.सी. तनेजा ने विज्ञान के विद्यार्थियों को "दैनिक जीवन में गणित के उपयोग" के कुछ पहलुओं को विस्तार से समझाते हुए बताया कि गणित के सिद्धान्तों का सर्वाधिक प्रयोग संचार क्षेत्र और मौसम के पूर्वानुमान के लिए किया जाता है. कार्यक्रम का प्रायोजन "भारतीय लधु उद्योग विकास बैक" द्वारा किया गया. इस बैक के डी.जी.एम. श्री एस.पी. सिंह विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित थे, उन्होंने सकारात्मक कार्य करने वाले विद्यार्थियों को संसाधनों द्वारा सहयोग देने का आश्वासन दिया.

समस्त कार्यक्रम का संचालन अग्रवाल महाविद्यालय के भौतिक विज्ञान के प्रो० डॉ० अजीत यादव ने किया. वरिष्ठ प्रवक्ता कमल टंडन के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ. इस कार्यक्रम में आसपास के सात विद्यालयों के प्राचार्यों, अध्यापकों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.